भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2524

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 3 अगस्त, 2026

12 श्रावण,1948 (शक)

तमिलनाडु में सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, प्रोत्साहन और संवर्धन

2524.**श्री जी. सेल्वमः**

श्री सी. एन. अन्नादुरईः

डॉ. रानी श्रीकुमारः

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, प्रोत्साहन और संवर्धन के लिए कोई योजना कार्यान्वित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और स्वीकृत परियोजनाओं, स्वीकृत की गई निधियों का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु में संरक्षित स्मारकों, ऐतिहासिक मंदिरों, पुरातत्वीय स्थलों, संग्रहालयों, समुद्री विरासत, सांस्कृतिक भू दृश्यों और अन्य विरासत स्थलों के लिए शुरू की गई विशिष्ट विरासत संरक्षण और विकास परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनके कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इन पहलों के प्रभाव का आकलन विरासत संरक्षण, रोजगार सृजन, कारीगरों और पारंपरिक शिल्पकारों की आजीविका और तमिलनाडु में पर्यटकों की संख्या के संबंध में किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का विचार तमिलनाडु में कम ज्ञात विरासत स्थलों के संरक्षण, सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने, कारीगरों के क्षमता निर्माण और सतत विरासत प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पहल करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार में तमिलनाडु राज्य में 412 केंद्रीय संरक्षित स्मारक और स्थल हैं।इन स्मारकों में पर्यटक सुविधाओं का संरक्षण, अनुरक्षण और विकास, आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार नियमित रूप से किया जाता है।पिछले तीन वर्षों में इन स्मारकों पर संरक्षण और अनुरक्षण के लिए आवंटित धन और किए गए खर्च का ब्यौरा इस प्रकार हैः

(राशि लाख रू में)

क्र.सं.	वर्ष	आवंटन	व्यय
1.	2023-24	22.50	22.50
2.	2024-25	18.95	18.94
3.	2025-26	16.60	16.60

पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय संस्कृति कोष और एडॉप्ट ए हैरिटेज 2.0 तहत किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारक/स्थल के विकास के लिए तमिलनाडु राज्य सरकार से पिछले तीन वर्षों के दौरान प्राप्त प्रस्तावों का विवरण उनकी वर्तमान स्थिति के साथ अनुबंध-II में है।

भारत सरकार, दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के माध्यम से, वार्षिक सहायता अनुदान की मदद से अपने सदस्य राज्यों में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित करता है। दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों के लिए तमिलनाडु सहित कई क्षेत्रों के लोक और आदिवासी कलाकारों को शामिल करता है। दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय की विशेष पहलों, जैसे 'राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव' के अलावा, तंजावुर में 'सलंगई नाधम' और 'समर समारोह' जैसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करता है। ये कार्यक्रम तमिलनाडु के पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और उनकी बिक्री करने का एक राष्ट्रीय मंच देते हैं, जिससे रोज़गार के अवसर पैदा होते हैं, पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा मिलता है और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बचाने और आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

तमिलनाडु में दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों/कार्यक्रमों की संख्या और उन पर होने वाला खर्च इस प्रकार हैः

(राशि लाख रू में)

क्र.सं.	**वर्ष**	**तमिलनाडु में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों/कार्यक्रमों की संख्या**	**किया गया व्यय**
1.	2023-24	120	228.79
2.	2024-25	131	169.43
3.	2025-26	95	194.23

(घ): सभी केंद्रीय संरक्षित स्मारकों जिनमें कम प्रसिद्ध स्मारक भी शामिल हैं, का समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है और संसाधनों की उपलब्धता के तहत उनकी स्थिति और प्राथमिकता को देखते हुए उनका संरक्षण कार्य किया जाता है। केंद्रीय संरक्षित स्मारकों के नियमित रखरखाव, समय-समय पर संरक्षण और प्रबंधन से सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, कारीगरों के क्षमता निर्माण और स्थायी विरासत प्रबंधन होता है।इसके अलावा, चयनित उत्खनन स्थलों और विरासत परिसरों के विकास (डी. ई. एस. एच.) योजना के तहत आदिचनल्लूर में पुरातात्विक स्थल का विकास प्रस्तावित है।

अनुबंध-I

लोक सभा में दिनांक 03.08.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 2524 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय संस्कृति कोष के तहत किए गए विकास कार्यों का विवरण।

क्र.सं.	स्मारक का नाम/राज्य/जिला	कार्य का नाम	जिससे धनराशि प्राप्त हुई
1.	शिवगंगा छोटा किला जो महान मंदिर को घेरे हुए है, तंजावुर, तंजावुर जिला, तमिलनाडु	बृहदीश्वर मंदिर, तंजावुर की प्राकार दीवार के बाहरी हिस्से और प्रवेश क्षेत्र में रोशनी का विस्तार	सीएसआर पहल के तहत एनसीएफ में एवीएनएल का योगदान

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, त्रिची मंडल के संबंध में पिछले तीन वर्षों में एडॉप्ट ए हैरिटेज2.0 योजना के तहत किए गए विकास कार्यों का विवरण

क्र.सं.	स्मारक का नाम/राज्य/जिला	कार्यका नाम
1.	ऐरावतेश्वर मंदिर, दारासुरम, तंजावुर जिला, तमिलनाडु	चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, चेन्नई द्वारा सुविधाओं का विकास

अनुबंध-II

लोक सभा में दिनांक 03.08.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 2524 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संरक्षित स्मारक/स्थल के विकास के लिए तमिलनाडु राज्य सरकार से पिछले तीन वर्षों के दौरान प्राप्त प्रस्तावों का विवरण

(वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-26)

क्र.सं.	स्मारकस्थल/	प्रस्ताव	विभागएजेंसी/	स्थिति
1.	कैलाशनाथर मंदिर , जिला कांचीपुरम	एडॉप्ट ए हेरिटेज 2.0 प्रोग्राम के तहत विज़िटर सुविधाओं का विकास	चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड.	मार्च, 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
2.	अर्जुन की तपस्या , जिला ,महाबलीपुरम चेंगलपट्टू	ध्वनि और प्रकाश शो प्रोजेक्शन मैपिंग के माध्यम) (से	तमिलनाडु पर्यटन विकास निगम	21.10.2024 को मंज़ूरी दी गई।
3.	शोरमंदिर , जिला ,महाबलीपुरम चेंगलपट्टू	स्वदेश के तहत आगंतुक सुविधाओं का विकास दर्शन 2.0	तमिलनाडु पर्यटन विकास निगम	04.12.2024 को टिप्पणी पत्र के साथ भेजा गया।
4.	बृहदेश्वरमंदिर , ,गंगईकोंडा जिला ,चोलपुरम तंजावुर	पर्यटक सुविधाओं का विकास	भारत पर्यटन विकास निगम	05.02.2026 को टिप्पणी पत्र के साथ भेजा गया।
5.	बृहदेश्वर मंदिरजिला , तंजावुर	स्वदेश विकास योजना की एक उपके अंतर्गत (योजना-2.0 सुविधाओं में वृद्धि दर्शन	तमिलनाडु पर्यटन विकास निगम	20.02.2026 को मंज़ूरी दी गई।
6.	वेल्लोर किला जिला , वेल्लोर	ध्वनि और प्रकाश शो	वेल्लोर नगर निगम , वेल्लोर	05.02.2026 को टिप्पणी पत्र के साथ भेजा गया।

*****